Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 44–2025] CHANDIGARH, WEDNESDAY, OCTOBER 29, 2025 (KARTIKA 7, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 27 अक्तूबर, 2025

संख्या 12/250–2024/पुरा/4287–94.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन और ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
आशव खेड़ा	आशव खेड़ा	गोपालगढ़	पलवल	खसरा संख्या 292 खतौनी संख्या 2730 खेवट 2635/2455	82 कनाल–13 मरला	ग्राम पंचायत	आशव खेड़ा पुरातात्विक स्थल पलवल जिले की होडल तहसील के गोपालगढ़ गांव में स्थित है। यह जिला मुख्यालय पलवल से 23 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यह गाँव का एक विशाल पुरातात्विक स्थल है, जो आसपास के भू–तल से लगभग 10 मीटर ऊपर फैला हुआ है। यहाँ से चित्रित धूसर मृदभांड, प्रारंभिक ऐतिहासिक मृदभांड और उत्तर मध्यकालीन अवशेष

							प्राप्त हुए हैं। यह स्थल प्राचीन काल में चित्रित धूसर मृदभाण्ड संस्कृति से जुड़ा हुआ है और कुषाण, गुप्त और मध्यकालीन काल के बाद के चरणों से होते हुए आधुनिक काल तक जारी रहा।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 27th October, 2025

No. 12/250-2024/pura/4287-94.— Whereas, the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological site and remains and ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monument	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Ashawa Khera	Ashawa Khera	Gopalgarh	Palwal	Khasra No. 292 Khotni No. 2730 Khevat 2635/2455	82 Kanal-13 Marla	Gram Panchayat	Ashawa Khera archaeological site is located at Gopalgarh village in Hodal Tehsil in Palwal District. It is situated at 23 km towards South from District Head Quarters Palwal. It is an extensive archaeological site in the village, covering an area of approximately 10 meter above the surrounding ground level. It yielded Painted Grey Ware early historic pottery and late medieval remains. The site dates back in antiquity to PGW culture and continued through the succeeding phases of Kushana, Gupta and medieval period up to modern times.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.

12188—C.S.—H.G.P., Pkl.